nt>

12.05 hrs.

RE : Reported enquiry against a former Join

Director of CBI

...(*Interruptions*)

Title: Regarding reported enquiry against a former Joint Director of CBI.

अध्यक्ष महोदय : आज मैं सबको बोलने की इजाजत दे सकता हूं। कम से कम एक दिन देखें कि हम कितना ज्यादा काम कर सकते हैं।

श्री चन्द्रशेखर (बलिया, उ.प्र.) : अध्यक्ष महोदय, मैं वह प्रश्न उठाना चाहता हूं जो कई हफ्तों से इस देश के समाचार पत्रों में प्रकाशित हो रहा है। इस सदन में और दूसरे सदन में भी संक्षेप में उसकी चर्चा हुई है। सीबीआई के पूर्व अधिकारी जो कोलकाता में निवास करते थे, उनके घर से नारकोटिक्स के मुलजिम पकड़े गए हैं। उनके घर में वह मशीन पकड़ी गई है जिससे नारकोटिक्स बनता था। वे एक बड़े उच्च अधिकारी हैं, ऐसा सरकार के मंत्रियों ने उत्तर में कहा है। मैं ऐसा समझता हूं कि इस बारे में इस सदन के सामने सफाई से जवाब दिया जाना चाहिए। उस अधिकारी के प्रति नारकोटिक्स विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि सारे सबूत उसके खिलाफ हैं और उसे जल्दी ही गिरफ्तार किया जाने वाला है। लेकिन उस अधिकारी को मुलजिम न बना कर एक गवाह बना दिया गया और उसका नतीजा यह हो गया है कि आज सब तरफ यह चर्चा हो रही है कि उस अधिकारी को बचाने के लिए सरकार की ओर से प्रयास हो रहा है।

यह सवाल केवल इस देश का नहीं है। कल अखबार में छपा है कि चीन और अमेरिका के अधिकारी आकर उससे पूछताछ कर रहे हैं और हमारी सरकार इस पर मौन है। हमारे एक अधिकारी की पूछताछ कोई विदेशी लोग आकर करें। नारकोटिक्स का मामला है, यह वही अधिकारी है जिन्होंने एक पूर्व मुख्य मंत्री को गिरफ्तार करने के लिए फौज बुलाने का संदेश बिना राज्य सरकार से पूछे भेजा था। राज्य सरकार से उनको नफरत थी तो कम से कम गृह मंत्रालय को इसकी सूचना देनी चाहिए थी। मैं ऐसा मानता हूं कि अगर इस तरह की घटनाएं होती रहीं और अधिकारियों को इस तरह से बचाने की कोशिश यह सरकार करती रही तो कोई भी अधिकारी कोई भी काम कर सकता है जो देश के हित के विरुद्ध हो क्योंकि नारकोटिक्स का मामला है, अन्तर्राट्रीय मामला है। एक और मामले में हमारी सरकार से चूक हुई है। मैं उनका जिक्र नहीं करना चाहता लेकिन इस अधिकारी के यहां से पांच विदेशी गिरफ्तार हुए हैं। मैं वे सारे विवरण नहीं देना चाहता। एक के बाद एक उन्होंने अधिकारियों के सामने गलत बयान दिये हैं। एक जमाने में इनकी भूरि-भूरि प्रशंसा अखबार वाले भी कर रहे थे और सरकार के लोग भी कर रहे थे। आज अगर वह कटघरे में हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं होती? इसका जवाब गृह मंत्रालय को या नारकोटिक्स डिपार्टमेंट के लोगों को देना चाहिए।

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): Sir, I fully associate with Shri Chandra Shekhar. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Yes, your name will be associated.

...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I will allow Shri Mulayam Singh Yadav and Shri Priya Ranjan Dasmunsi to associate with him.

...(*Interruptions*)

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, बहुत गंभीर मामला है। हमारा नाम भी एसोशिएट कर लिया जाए।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : नहीं। मैं सभी को मौका नहीं दे सकता हूं। जिनके नाम हैं, उनको मौका दूंगा। इसमें रघुवंश जी का नाम है। उनको बोलने दीजिए।

â€¦ (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष महोदय, चन्द्रशेखर जी ने जो सवाल उठाया, वह चीन में और फिर अमेरिका से एफबीआई द्वारा, इंटरपोल द्वारा यह सूचना दी गई कि जो सीबीआई के पूर्व संयुक्त निदेशक जिनका सरकार ने दावा किया था कि सीबीआई के बड़े अच्छे अफसर हैं और उनको बार-बार एक्सटेंशन दिया गया, उनके घर में वार्ों से विदेशी, जिसमें चीन के लोग उसमें थे, बर्मा के लोग भी थे, उनके अपने घर में किरायेदार के रुप में 2000 रुपये महीना किराये पर उन िवदेशियों को किरायेदार रखा गया और जब पूछा गया कि विदेशियों को क्यों किराये पर दिया तो एक मिजोरम के चतुर्थ वर्गीय मसटर रोल के जाली कागज उन्होंने प्रास्तुत किये कि इसके आधार पर हमने उनको किराये पर दिया। उसमें बड़ा भारी कारोबार नारकोटिक्स, हेरॉइन और नशीले पदार्थ का चल रहा था, स्मगलिंग हो रही थी। जिस घर में वे स्वयं रहते थे, उसी घर में वे विदेशी किरायेदार थे जो नारकोटिक्स का कारोबार कर रहे थे। एक घर में अगर जब तरकारी भी छौंकी जाती है, मुर्ग-मुसल्लम भी बनता है तो सम्पूर्ण घर के लोग जान जाते हैं और उस काबिल अधिकारी के घर में नारकोटिक्स का कारोबार हो रहा था और उनका यह दावा करना कि उनको जानकारी नहीं थी जबकि असिस्टेंट डाइरेक्टर, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के पदाधिकारियों ने दावा किया कि उनके खिलाफ सबूत हैं और वे तुरंत गिरफ्तार होंगे। लेकिन उनकी गिरफ्तारी भी नहीं हुई और मंत्री के घर में वे छिपे हुए थे। उस मंत्री ने आडवाणी जी के यहां पैरवी की कि चूंकि यह केन्द्र सरकार का चहेता अफसर है और उन्होंने पूर्व मुख्य मंत्री लालू प्रसाद यादव को जैसे-तैसे फंसाकर गिरफ्तारी का काम किया, इसलिए उनको पुरस्कार स्वरुप इस केस में गिरफ्तार नहीं करके उनको गवाह बनाकर बचाया गया। सरकार इस पर मौन क्यों है? सरकार इस पर बयान दे कि इस तरह से जो इनका चहेता अफसर है जिनको बार-बार कैबिनेट ने सुप्रीम कोर्ट की इजाजत के बिना एक्सटेंशन दी, उस पदाधिकारी के घर में विदेशी नशीले पदार्थ बना रहे थे और स्मगलिंग कर रहे थे, उसकी गिरफ्तारी नहीं हुई और उस पदाधिकारी को गवाह बना दिया गया। ऐसा कभी अन्याय नहीं देखा और दोहरा मापदंड नहीं देखा कि इस तरह से एक उच्च अधिकारी जो सीबीआई का था, उसके घर में नारकोटिक्स पकड़ा गया, लेकिन उसके खिलाफ कुछ कार्रवाई नहीं हुई बल्कि उसको बचाया गया और उसे गवाह बनाया जा रहा है। ऐसा अंधेर हो रहा है और सरकार का भंडा इसमें फूट रहा है कि सरकार दोहरा मापदंड अख्तियार करती है। एक के साथ कुछ और व्यवहार है और दूसरे के साथ व्यवहार कुछ है।

इसलिए मैं सरकार से इस पर वक्तव्य देने की मांग करता हूं कि वह वक्तव्य दे और बताए कि किस परिस्थिति में उन्होंने उसको गवाह बनाया। जबकि उस व्यक्ति को तो गिरफ्तार करके जेल में बंद करना चाहिए था। लेकिन वह एक केन्द्रीय मंत्री के घर में छुपे हुए थे और अपनी गिरफ्तारी का विरोध कर रहे थे। अध्यक्ष महोदय, सब लोग जानते हैं और अखबारों में भी यह बात छपी है कि â€¦*

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : ऐसी बात न कहें। â€¦*â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : नाम रिकार्ड से निकाल दिए जाएं।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्रभुनाथ सिंह जी, अब आप बैठ जाएं। मैंने उनका नाम रिकार्ड में से निकाल दिया है।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : वह उनको संरक्षण दे रहे हैं। â€¦*जबकि उस व्यक्ति को गिरफ्तार करके जेल में बंद करना चाहिए, लेकिन उसे पुरस्कार दिया जा रहा है। आज इसका भंडाफोड़ हो गया है।

डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : इन्होंने आपसे अनुमति नहीं ली है और मंत्री जी का नाम लिआ है इसलिए उनका नाम रिकार्ड से निकाल दिया जाए।

अध्यक्ष महोदय : मैंने वह नाम निकाल दिया है।

* Expunged as ordered by the Chair

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, जिस मंत्री का नाम लिया गया है, वह हमारी पार्टी से जुड़े हुए हैं इसलिए मैं आपसे निवेदन करता हूं कि मुझे इस पर दो मिनट बोलने का समय दें।â€¦ (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, रघुवंश बाबू ने जिनका नाम लिया है, वह हमारी पार्टी के नेता हैं इसलिए हम इस बिंदु पर बोलना चाहते हैं।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : हमने जो सवाल पूछा है, उस पर सरकार बयान देगी कि असलियत क्या है।

अध्यक्ष महोदय : मैंने नाम निकाल दिया है।

श्री प्रभुनाथ सिंह : हम उस पर दो मिनट निवेदन करना चाहते हैं। अध्यक्ष महोदय, आदरणीय चन्द्रशेखर ने यहां पर एक सवाल उठाया था। हम चन्द्रशेखर जी का दिल से सम्मान करते हैं। हमारे मन में उनके प्रति आदर की अटूट भावना भरी हुई है। हम उनकी किसी बात पर कोई कमेंट नहीं करना चाहते। जिस सी.बी.आई. के भूतपूर्व अधिकारी के बारे में चर्चा चल रही है, अगर जांच में वह दोाी पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई हो, हमें उस पर कोई आपत्ति नहीं हैं। लेकिन हम यह कहना चाहते हैं कि जिस समय वह सी.बी.आई. के अधिकारी थे, उस समय उन्होंने किसी भूतपूर्व मुख्य मंत्री को चोरी और भ्रटाचार के मामले में गिरफ्तार किया था, इस सम्बन्ध में सदन में मामला उठाना और बदले की नीयत से किसी केन्द्रीय मंत्री का नाम लेना आपत्तिजनक है। इसलिए हम आपसे निवेदन करना चाहते हैं कि जिस मंत्री का नाम माननीय सदस्य ने लिया है, उसको प्रोसीडिंग से हटा दिया जाए।â€¦ (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : हम चाहते हैं कि उनका नाम प्रोसीडिंग में रहे। अगर आप वह नाम हटाएंगे तो फिर इनका भााण भी निकाल दें, नहीं तो हम किस पर बहस करेंगे और इनका इशारा किस पर हैâ€¦ (व्यवधान) सरकार को जवाब देना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिए। मुझे दूसरे वियों पर भी सदस्यों को बोलने का अवसर देना है। प्रभुनाथ सिंह जी, आपने अपनी बात कह दी है। जैसा आपने कहा, वह नाम मैं कार्यवाही से हटा रहा हूं।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने मुझे निवेदन किया है इसलिए मैं निकाल रहा हूं। अब इतना भी सतर्क रहना अच्छा नहीं होता।

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम यह कहना चाहते हैं कि लोक सभा में ऐसा हमला करके एक पूर्व भ्रटाचारी मुख्य मंत्री को बचाने का काम नहीं होना चाहिए।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: The matter is being discussed in the Court and will be finalised only in the Court.

...(*Interruptions*)

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्रीमती सुाुमा स्वराज) : जो बातें आदरणीय चन्द्रशेखर और अन्य माननीय सदस्यों द्वारा कही गई हैं, मैं गृह मंत्री जी को उससे अवगत करा दूंगी।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अब आप बैठ जाएं। मैं ज्यादा से ज्यादा सदस्यों को मौका देना चाहता हूं। मैं एक के बाद एक को मौका दूंगा। आपको भी बात कहने का मौका मिलेगा।

श्री रतिलाल कालिदास वर्मा (धन्धुका) : जिसने नोटिस दिया है, क्या उसको बोलने का मौका मिलेगा ?

अध्यक्ष महोदय : जरूर मिलेगा।